अध्याय 1

दो बैलों की कथा

लेखक/कवि: मुंशी प्रेमचंद

[गद्य खंड]

कक्षा	9
विषय	हिंदी
पुस्तक	NCERT 'गंगा'
पाठ का स्रोत	
आवश्यक अवधियाँ	3
प्रत्येक अवधि का समय	40 मिनट

◆ अवधारणाएँ (Concepts)

1. पशु–मानव संबंध की संवेदनशीलता

इस पाठ के माध्यम से विद्यार्थी यह समझेंगे कि पशु भी भावनाओं से युक्त होते हैं। वे प्रेम, निष्ठा और पीड़ा का अनुभव करते हैं। मनुष्य और पशु के बीच का संबंध केवल उपयोगिता का नहीं, बल्कि गहरे भावनात्मक जुड़ाव का भी होता है।

2. स्वतंत्रता और आत्मसम्मान का महत्व

हीरा और मोती के माध्यम से स्वतंत्रता की भावना तथा आत्मसम्मान के महत्व को स्पष्ट किया गया है। विद्यार्थी समझेंगे कि स्वतंत्रता प्रत्येक जीव का मूल अधिकार है और इसकी रक्षा के लिए संघर्ष स्वाभाविक एवं आवश्यक है।

3. मित्रता, निष्ठा और त्याग के मूल्य

कहानी में हीरा और मोती की आपसी मित्रता, एक-दूसरे के प्रति समर्पण और कठिन परिस्थितियों में साथ न छोड़ने का भाव विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों की ओर प्रेरित करता है।

◆ अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- कहानी का सारांश अपने शब्दों में क्रमबद्ध एवं स्पष्ट रूप से लिख सकेंगे।
- प्रमुख पात्रों (हीरा और मोती) का विश्लेषणात्मक चरित्र-चित्रण प्रस्तुत कर सकेंगे।
- पाठ में निहित नैतिक एवं मानवीय मूल्यों की पहचान एवं व्याख्या कर सकेंगे।
- कठिन शब्दों का अर्थ समझकर उनका उचित प्रयोग वाक्यों में कर सकेंगे।
- पाठ से संबंधित लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर तार्किक ढंग से लिख सकेंगे।

- अपने विचारों एवं अनुभवों को मौखिक तथा लिखित रूप में प्रभावी ढंग से व्यक्त कर सकेंगे।

◆ शिक्षण-अधिगम रणनीतियाँ (Pedagogical Strategies)

प्रवेश गतिविधि: शिक्षक विद्यार्थियों से प्रश्न पूछेगा— "क्या आपने कभी किसी पशु के साथ स्नेह या जुड़ाव महसूस किया है?" विद्यार्थी अपने अनुभव साझा करेंगे।

आदर्श वाचन: शिक्षक द्वारा स्पष्ट उच्चारण एवं उचित भाव-भंगिमा के साथ पाठ का वाचन किया जाएगा।

समूह चर्चा: विषय: "हीरा और मोती में कौन अधिक विवेकशील था और क्यों?" — इससे विद्यार्थियों की तार्किक सोच विकसित होगी।

भूमिका-अभिनय: विद्यार्थी हीरा, मोती तथा किसान की भूमिका निभाकर कहानी को जीवंत बनाएँगे।

प्रश्नोत्तर विधि: प्रत्येक भाग के बाद प्रश्न पूछकर विद्यार्थियों की समझ का आकलन किया जाएगा।

◆ अन्य विषयों के साथ समेकन (Integration)

- सामाजिक विज्ञान: ग्रामीण जीवन एवं किसान की भूमिका
- विज्ञान: पशुओं का व्यवहार एवं उनकी संवेदनशीलता
- कला शिक्षा: बैलों का चित्र बनाना एवं रंग भरना
- अंग्रेज़ी: कहानी का सार अंग्रेज़ी में लिखना
- मूल्य शिक्षा: दया, सहयोग और सहानुभूति का विकास

◆ आकलन (Assessment)

- मौखिक आकलन: वाचन, प्रश्नोत्तर एवं चर्चा में भागीदारी के आधार पर।
- लघु उत्तरीय प्रश्न (2–3 अंक) एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)।
- भूमिका-अभिनय एवं समूह कार्य में सहभागिता का आकलन।
- रचनात्मक लेखन: "यदि मैं मोती होता तो…" विषय पर अनुच्छेद।
- कार्यपत्रक: रिक्त स्थान, मिलान, शब्दार्थ एवं अनुच्छेद-आधारित प्रश्न।

◆ शिक्षण-अधिगम सामग्री (TLM)

- NCERT पाठ्यपुस्तक (गंगा)
- श्यामपट एवं मार्कर
- पशुओं एवं ग्रामीण जीवन के चित्र

- संबंधित वीडियो/ऑडियो क्लिप
- कार्यपत्रक एवं अभ्यास सामग्री

◆ विस्तार गतिविधियाँ / जीवनोपयोगिता

- विद्यार्थियों को पशुओं के प्रति दयालु व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना।
- "सच्ची मित्रता" विषय पर लघु कहानी लिखना।
- कहानी से प्राप्त शिक्षाओं को दैनिक जीवन में लागू करना।

◆ इक्कीसवीं सदी के कौशल / मूल्य शिक्षा

- संचार कौशल: विचारों को स्पष्ट एवं प्रभावी ढंग से व्यक्त करना।
- आलोचनात्मक चिंतन: पात्रों एवं घटनाओं का विश्लेषण करना।
- रचनात्मकता: लेखन एवं चित्रण के माध्यम से अभिव्यक्ति।
- मूल्य शिक्षा: दया, निष्ठा एवं सहानुभूति का विकास।

◆ पाठोपरांत चिंतन (Post Teaching Reflection)

- क्या विद्यार्थियों ने पाठ के भाव एवं संदेश को गहराई से समझा?
- क्या सभी विद्यार्थियों ने गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की?

◆ उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching)

- कठिन शब्दों की सूची बनाकर उनका बार-बार अभ्यास कराया जाएगा।
- पाठ का भावार्थ सरल भाषा में पुनः समझाया जाएगा।
- कमजोर विद्यार्थियों को व्यक्तिगत मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त अभ्यास दिया जाएगा।

◆ अवधि-वार शिक्षण योजना (Period-wise Planning)

- प्रथम अवधि: प्रवेश गतिविधि, आदर्श वाचन, शब्दार्थ एवं प्रारंभिक व्याख्या।
- द्वितीय अवधि: शेष पाठ की व्याख्या, समूह चर्चा एवं भूमिका-अभिनय।
- तृतीय अवधि: पुनरावृत्ति, प्रश्नोत्तर, कार्यपत्रक एवं आकलन।